





# हेमंत सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों के लिए खोला खजाना

## ग्रामीण विकास

### बिरसा सिंचाई कूप संवर्धन मिशन की होगी शुरुआत



आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। सरकार ने बजट पर सिंचाई योजना पर भी ध्यान दिया है। वित्त मंत्री रामेश्वर उरांव ने कहा कि किसानों को सिंचाई कूप उपलब्ध कराने हेतु मन्त्री राज्य योजना का अधिसरण करते हुए बिरसा सिंचाई कूप संवर्धन मिशन नामक नयी योजना लागू करने का प्रस्ताव है। इस योजना के अंतर्गत 1 लाख किसानों की व्यक्तिगत भूमि पर सिंचाई कूप का निर्माण कराया जायेगा। इसके लिए राज्य योजना

#### बजट आकार 8,166 करोड़ रुपये

से प्रति लाखुक 50 हजार रुपये समाप्ति मद में तथा शेष राशि मनरेगा योजना से देने का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में आय के स्रोतों को बढ़ावा हुए रोजगार सृजन एवं जीवन स्तर को ऊंचा करना हमारा बजट प्रस्तावित है।

मुख्य उद्देश्य है। वर्ष 2022-23 में महात्मा गांधी नरेंगा अंतर्गत 9 करोड़ अनुमोदित मानविकास के विरुद्ध अब तक कुल 7,63 करोड़ मानविकास का सूजन किया गया है। वर्ष 2023-24 में 9 करोड़ मानविकास सुजन करने का लक्ष्य है। इसके लिए 1,260 करोड़ रुपये का बजट तय किया गया है। इसी तरह प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के अंतर्गत आगामी वित्तीय वर्ष में 3 हजार 5 सौ 42 करोड़ रुपये का बजट प्रस्तावित है।

## खाद्य सुरक्षा और पेयजल एवं स्वच्छता

### जन वितरण प्रणाली दुकान से मोटा आनाज भी मिलेगा

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। राज्य सरकार ने अन्तर्राष्ट्रीय मिलेटे वर्ष 2023 के क्रम में जन वितरण प्रणाली अन्तर्गत मोटा आनाज वितरण किये जाने की योजना तैयार की है। इसके अंतिरिक्त प्रोटोकॉल अन्य खाद्य सामग्रियों के वितरण भी किया जायेगा। वित्त मंत्री रामेश्वर उरांव ने कहा कि प्रत्येक गरीब को नियमित रूप से लाखुक 20 लाख लाखुकों को ग्रामीण खाद्य सुक्ष्मा के सदस्य खाद्यन उपलब्ध कराया जा रहा है। अगले वित्तीय वर्ष में सूचना तकनीक का प्रयोग करते हुए खाद्य वितरण की प्रक्रिया के सुधारीकरण एवं सरलीकरण का लक्ष्य रखा गया है। ग्रामीण खाद्य सुरक्षा अधिनियम से विचार के लिए राज्य के 2 करोड़ 60 लाख लाखुकों को मुफ्त खाद्यान उपलब्ध कराया जा रहा है। अगले वित्तीय वर्ष में सूचना तकनीक का प्रयोग करते हुए खाद्य वितरण की प्रक्रिया के सुधारीकरण एवं सरलीकरण का लक्ष्य रखा गया है।

#### बजट आकार खाद्य एवं आपूर्ति 2,750.15 करोड़ रुपये

जाने वाले गरीब तबके को जारीखंड खाद्य सुक्ष्मा योजना के माध्यम से जोड़ा गया है। इसके बाद सुनिश्चित करने के लिए राज्य योजना को लगभग 20 लाख लाखुकों को ग्रामीण खाद्य सुक्ष्मा के सदस्य खाद्यन उपलब्ध कराया जा रहा है।

#### लोगों को स्वच्छ पेयजल मुहैया कराया जायेगा:

वर्ष 2024 तक जल जीवन मिशन के तहत राज्य के कुल 61 लाख से अधिक ग्रामीण परिवारों

#### पेयजल एवं स्वच्छता 4,372.21 करोड़ रुपये

को कावरेंट घेरेलू नल संयोजन (एफएचटीसी) के द्वारा शुद्ध पेयजल की उत्तमता सुनिश्चित किये जाने के लिए वर्ष 2023-24 में 2,131 करोड़ रुपये का प्रवाधान किया गया है। अंगनबाड़ी केंद्र में आनेवाले बच्चों को पाठशाला पूर्व शिक्षा के लिए आगामी वर्ष में आगामी वर्ष में चालू रखा जायेगा। इसके लिए वर्ष 2023-24 में 2,131 करोड़ रुपये का प्रवाधान किया गया है।

अंगनबाड़ी केंद्र में आनेवाले बच्चों को पाठशाला पूर्व शिक्षा के लिए आगामी वर्ष में आगामी वर्ष में चालू रखा जायेगा। इसके लिए वर्ष 2023-24 में 2,131 करोड़ रुपये का प्रवाधान किया गया है।

## श्रम नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास



आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। सरकार ने आगामी वित्तीय वर्ष में मुख्यमंत्री सारथी योजना के अंतर्गत राज्य के 1 लाख 40 हजार युवक-युवतियों को कौशल प्रशिक्षण दिये जाने का लक्ष्य रखा है। प्रशिक्षण के उपरांत रोजगार न मिलने की स्थिति में 6 माह तक पुरुषों को 1 हजार रुपये प्रतिमाह तथा महिलाओं और दिव्यांगों को बेतर अवसर प्राप्त हो, इस

दिक्षिकोण से वर्ष 2023-24 में आइटीआइ संस्थानों के आधारभूत संरचना के सुधारीकरण, पाठ्यक्रम के उन्नयन तथा नये एवं आधुनिक तकनीकों का उपयोग से बेहतर शिक्षण व्यवस्था उपलब्ध करने का प्रस्ताव बजट में किया गया है। उन्हें रोजगार के बेतर अवसर प्राप्त हो, इस

## महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा

### आंगनबाड़ी सेविकाओं और सहायिकाओं का मानदेय बढ़ेगा

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। आंगनबाड़ी सेविकाओं एवं सहायिकाओं के चयन एवं मानदेय नियमावली गठित की गयी है। इनके मासिक मानदेय में 3,100 से 4,800 रुपये की बढ़ोत्तरी की गयी है। वर्ष 2023-24 से इनके मासिक मानदेय में 500 तथा 250 रुपये की वृद्धि की जायेगी। साथ ही इन सबों के लिए 500 रुपये प्रतिवर्ष प्रीमियम का भुगतान राज्य सरकार द्वारा करते हुए उन्हें सामूहिक बीमा योजना से आज्ञादित करने का भी बजट में प्रस्ताव किया गया है।

सरकार महिला विकास और सशक्तिकरण की ओर लगातार काम उठा रही है। इसी क्रम में विधवा पुनर्विवाह को प्रोत्साहित करने के लिए प्रोत्साहन राशि महिलाओं में स्वच्छा के प्रसार के लिए नियम शुल्क सेनेटरी नैपकीन का वितरण, प्रसव पूर्व गर्भवती महिलाओं को पैषिक आहार उपलब्ध कराने एवं प्रसव उपलब्धता के लिए वितरण करने के लिए विशेष एवं महिला वितरण आंगनबाड़ी को नियमित वितरण करने की जिसकी विशेषता है। इसके लिए 500 रुपये का बजट प्रस्तावित है।

■ राज्य में आंगनबाड़ी केंद्रों का वितरण आंगनबाड़ी राज्य के निर्माण होगा। इसके तहत आंगनबाड़ी वित्तीय वर्ष में 100 करोड़ रुपये का बजट प्रस्तावित है।

■ राज्य के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों को 6 हजार रुपये प्रति वितरण करने के लिए विशेष एवं समर्थन आवश्यकताओं की पूर्ति की जा सकती है।

■ आंगनबाड़ी सेविकाओं को आधुनिक सूचना तंत्र से जोड़ने के लिए आंगनबाड़ी सेविकाओं को स्मार्ट फोन उपलब्ध कराया जायेगा।

लिए 'आंगनबाड़ी' चलो अधिकारियों को आगामी वर्ष में चालू रखा जायेगा। इसके लिए वर्ष 2023-24 में 2,131 करोड़ रुपये का प्रवाधान किया गया है।

अंगनबाड़ी केंद्र में आनेवाले बच्चों को पाठशाला पूर्व शिक्षा के लिए आगामी वर्ष में आगामी वर्ष में चालू रखा जायेगा। इसके लिए वर्ष 2023-24 में 2,131 करोड़ रुपये का प्रवाधान किया गया है।

आम लोगों को पंचायत स्तर पर सभी सुविधाएं एक छत के नीचे उपलब्ध कराने का साकार प्रयोग करने तथा सभी केंद्रों में फर्नीचर इत्यादि उपलब्ध कराये जाने 190 करोड़ रुपये का प्रवाधान किया गया है। सभी

## बजट आकार 7,171 करोड़ रुपये



### खास बातें:

■ राज्य में आंगनबाड़ी केंद्रों का वितरण आंगनबाड़ी राज्य के निर्माण होगा। इसके तहत आंगनबाड़ी वित्तीय वर्ष में 100 करोड़ रुपये का बजट प्रस्तावित है।

■ राज्य के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों को 6 हजार रुपये प्रति वितरण करने के लिए 500 करोड़ रुपये का बजट प्रस्तावित है।

■ आंगनबाड़ी सेविकाओं को आधुनिक सूचना तंत्र से जोड़ने के लिए आगामी वर्ष में 2,131 करोड़ रुपये का बजट प्रस्तावित है।

■ आंगनबाड़ी केंद्रों को विशेष एवं समर्थन आवश्यकताओं की पूर्ति की जा सकती है।

■ आंगनबाड़ी केंद्रों को स्मार्ट फोन उपलब्ध कराया जायेगा। इसके लिए आगामी वर्ष में 2,131 करोड़ रुपये का बजट प्रस्तावित है।

■ आंगनबाड़ी केंद्रों को स्मार्ट फोन उपलब्ध कराया जायेगा। इसके लिए आगामी वर्ष में 2,131 करोड़ रुपये का बजट प्रस्तावित है।

■ आंगनबाड़ी केंद्रों को स्मार्ट फोन उपलब्ध कराया जायेगा। इसके लिए आगामी वर्ष में 2,131 करोड़ रुपये का बजट प्रस्तावित है।

■ आंगनबाड़ी केंद्रों को स्मार्ट फोन उपलब्ध कराया जायेगा। इसके लिए आगामी वर्ष







# पूर्वोत्तर से हुआ भाजपा के मिशन 2024 का श्रीगणेश

**हाशिये पर पहुंची कांग्रेस के लिए बज गयी है खतरे की घंटी : पूर्वोत्तर राज्यों के मन-मिजाज को बदलने में कामयाब हुई भाजपा**

पूर्वोत्तर के तीन राज्यों, त्रिपुरा, नागालैंड और मेघालय में भाजपा गठबंधन की सरकार बन रही है। त्रिपुरा और नागालैंड में भाजपा गठबंधन के पास बहुमत है, वहीं मेघालय में भाजपा ने एनपीपी को समर्थन देने का फैसला किया है। चुनाव के नतीजे साफ कर रहे हैं कि पूर्वोत्तर से कांग्रेस का सफाया हो गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में पार्टी के प्रदर्शन पर बाईंदी देने के लिए संवेदन दिया। मेघालय, नागालैंड और त्रिपुरा के लोगों को धन्यवाद देते हुए पीपल मोदी ने कहा कि चुनाव परिणाम दुर्लभ हो गयी। एक तरफ जहां पूर्वोत्तर में भाजपा का उदय हुआ है, वहीं कांग्रेस के सितारे झूँस रहे हैं। इन नतीजों से पता चलता है कि कांग्रेस के बुरे दिन चल रहे हैं। देश के दूसरे हिस्सों में भी कांग्रेस

लोगों का विश्वास है। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर के नतीजे दिखाते हैं कि यह क्षेत्र न तो दिल्ली से दूर है, न ही दिल से। ऐसे में यह जानना दिलचस्प है कि कैसे भाजपा कांग्रेस और लोप्ट पर भारी पड़ गयी। एक तरफ जहां पूर्वोत्तर में भाजपा का उदय हुआ है, वहीं कांग्रेस के सितारे झूँस रहे हैं। इन नतीजों से पता चलता है कि कांग्रेस के बुरे दिन चल रहे हैं। देश के दूसरे हिस्सों में भी कांग्रेस

संघर्ष कर रही है, वहीं वामदलों के लिए भी वहाँ के नतीजे ठीक नहीं रहे हैं। भाजपा का कांग्रेस मुक्त भारत का नारा पूर्वोत्तर में हकीकत बन गया है। दरअसल तीन राज्यों में इस जीत को भाजपा के मिशन 2024 का श्रीगणेश बताया जा रहा है। नागालैंड में भाजपा की जीत का साफ मतलब है कि इस इसाड बहुल राज्य में अब विकास और राष्ट्रवाद की बयान बह रही है। वहीं

मेघालय में गठबंधन की सत्ता में वापसी का संदेश यही है कि यह राज्य अब विकास के सारे पर चल पड़ा है। इन तीनों राज्यों में कांग्रेस का हाल क्या रहा, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि मेघालय में 2018 के चुनाव में 21 सीटें हासिल करने वाली कांग्रेस इस बार महज पांच सीटों पर सिमट गयी है। त्रिपुरा में कांग्रेस को अपना वजूद बचाने के लिए लोप्ट से हाय मिलाना पड़ा था, लेकिन इसके बावजूद उसे सिर्फ तीन सीटें ही मिल सकी। नागालैंड में कांग्रेस को एक भी सीट नहीं मिली। तीन पूर्वोत्तर राज्यों के चुनाव परिणामों का सियासी विश्लेषण कर रहे हैं आजाद सिपाही के विशेष संवाददाता राकेश सिंह।



साल 2024 में लोकसभा चुनाव भी है। पूर्वोत्तर के चुनाव से यह अंदाजा काफी हृद तक कामयाब रही है। भाजपा को जड़े पूर्वोत्तर के राज्यों में लगातार मजबूत हो रही है। इसी बावजूद यह से विकास और अच्छी वार्ता पाने में कामयाब हुआ है।

## पूर्वोत्तर पर दांव आया

### भाजपा के काम

पूर्वोत्तर पर दांव लगाने के बाद भाजपा काफी हृद तक कामयाब रही है। भाजपा को जड़े पूर्वोत्तर के राज्यों में लगातार मजबूत हो रही है। इसी बावजूद यह से विकास और अच्छी वार्ता पाने में कामयाब हुआ है।

## कांग्रेस के लिए अहम संदेश

कांग्रेस को पूर्वोत्तर के चुनाव में एक बार फिर हार का सामना करना पड़ा है। उसका सियासी स्थान लेने के लिए क्षेत्रीय पार्टियां आ गयी हैं। त्रिपुरा में लोप्ट के



साथ कांग्रेस का गठबंधन भी काम नहीं आया। पहली बार चुनावी मैदान में उत्तरी पार्टी टिप्पणी मोर्चा ने जननायी वार्ता को अपने पाले में कर लिया। इसके अलावा मेघालय में ममता बनजी की पार्टी टीएसपी ने कांग्रेस की मुसीबत बढ़ावी। मेघालय में टीएसपी की पहली बार पांच सीटें आयीं, तो वहीं कांग्रेस का वह प्रयोग सफल नहीं हुआ। चुनाव परिणाम से सफाहू के लिए किसानों की ओर तैयारी के

संघर्ष कर रही है, वहीं वामदलों के लिए भी वहाँ के नतीजे ठीक नहीं रहे हैं। भाजपा का कांग्रेस मुक्त भारत का नारा पूर्वोत्तर में हकीकत बन गया है। दरअसल तीन राज्यों में इस इसाड बहुल राज्य में अब विकास और राष्ट्रवाद की बयान बह रही है। वहीं

जनजाति के लिए काफी काम करने का दावा करते हैं, लेकिन त्रिपुरा चुनाव में जननायी वार्ता टिप्पणी मोर्चा के साथ जाते रहे हुए दिखाई दिये। भाजपा ने चुनाव से पहले इसका विवाद मार्गी राज्यों में वार्ता नहीं आयी। वहीं, लेकिन वह साथ नहीं आयी।

## भाजपा 'गैर हिंदुत्व' की पिच पर भी खेलने में माहिर

इस जीत को भाजपा के मिशन 2024 का श्रीगणेश बताया जा रहा है। नागालैंड में कांग्रेस को एक भी सीट नहीं मिली। तीन पूर्वोत्तर राज्यों के चुनाव परिणामों का सियासी विश्लेषण कर रहे हैं आजाद सिपाही के विशेष संवाददाता राकेश सिंह।

फोकस किया। भाजपा शासित कई राज्यों में इसाइ समुदाय की सिक्कात है कि उनपर हमले बह रहे हैं। कई भाजपा शासित राज्यों में गैर-स्टकरी को लेकर कानून बन रहे हैं। लेकिन नागालैंड में कांग्रेस के लिए न धर्मतारण मुदा था और न ही गैर-स्टकरी। उसने तो नागालैंड के बुजुंगों को वरुशलम की मुफ्त तीर्थ यात्रा तक करने का वादा किया है। चर्चे के पदविकारियों के साथ बैठक करना हो चुका है।

इस तरह तीन राज्यों के नतीजों के अनुसार भाजपा स्थानीय राजनीति में सफल सबित हुई है। सत्ता में वापसी कर स्थानीय पार्टियों को खुद के साथ मिलाने का उसने एक पॉर्जिटिव संदेश दिया है। वहीं विपक्षी एकता की बात करने वाले दूसरों को न्यूरोले को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

## भाजपा के लिए क्या है सबक

विधानसभा चुनाव के नतीजे भले ही भाजपा के पक्ष में आये हैं, लेकिन आदिवासी वोट बैंक उसके लिए चुनाव में एक साथ नहीं आये हैं। इस बार 21 सीटों पर खेलने वाली भाजपा कोप्रेस पर हावी है।

भाजपा के सहयोगी पॉर्जिटिव पिछली बार 12 सीटों पर जीत हासिल की वाली भाजपा कोप्रेस पर खेलने वाली भाजपा कोप्रेस पर हावी है।

भाजपा के सहयोगी पॉर्जिटिव पिछली बार 12 सीटों पर जीत हासिल की वाली भाजपा कोप्रेस पर हावी है।

भाजपा के सहयोगी पॉर्जिटिव पिछली बार 12 सीटों पर जीत हासिल की वाली भाजपा कोप्रेस पर हावी है।

भाजपा के सहयोगी पॉर्जिटिव पिछली बार 12 सीटों पर जीत हासिल की वाली भाजपा कोप्रेस पर हावी है।

भाजपा के सहयोगी पॉर्जिटिव पिछली बार 12 सीटों पर जीत हासिल की वाली भाजपा कोप्रेस पर हावी है।

भाजपा के सहयोगी पॉर्जिटिव पिछली बार 12 सीटों पर जीत हासिल की वाली भाजपा कोप्रेस पर हावी है।

भाजपा के सहयोगी पॉर्जिटिव पिछली बार 12 सीटों पर जीत हासिल की वाली भाजपा कोप्रेस पर हावी है।

भाजपा के सहयोगी पॉर्जिटिव पिछली बार 12 सीटों पर जीत हासिल की वाली भाजपा कोप्रेस पर हावी है।

भाजपा के सहयोगी पॉर्जिटिव पिछली बार 12 सीटों पर जीत हासिल की वाली भाजपा कोप्रेस पर हावी है।

भाजपा के सहयोगी पॉर्जिटिव पिछली बार 12 सीटों पर जीत हासिल की वाली भाजपा कोप्रेस पर हावी है।

भाजपा के सहयोगी पॉर्जिटिव पिछली बार 12 सीटों पर जीत हासिल की वाली भाजपा कोप्रेस पर हावी है।

भाजपा के सहयोगी पॉर्जिटिव पिछली बार 12 सीटों पर जीत हासिल की वाली भाजपा कोप्रेस पर हावी है।

भाजपा के सहयोगी पॉर्जिटिव पिछली बार 12 सीटों पर जीत हासिल की वाली भाजपा कोप्रेस पर हावी है।

भाजपा के सहयोगी पॉर्जिटिव पिछली बार 12 सीटों पर जीत हासिल की वाली भाजपा कोप्रेस पर हावी है।

भाजपा के सहयोगी पॉर्जिटिव पिछली बार 12 सीटों पर जीत हासिल की वाली भाजपा कोप्रेस पर हावी है।

भाजपा के सहयोगी पॉर्जिटिव पिछली बार 12 सीटों पर जीत हासिल की वाली भाजपा कोप्रेस पर हावी है।

भाजपा के सहयोगी पॉर्जिटिव पिछली बार 12 सीटों पर जीत हासिल की वाली भाजपा कोप्रेस पर हावी है।

भाजपा के सहयोगी पॉर्जिटिव पिछली बार 12 सीटों पर जीत हासिल की वाली भाजपा कोप्रेस पर हावी है।

भाजपा के सहयोगी पॉर्जिटिव पिछली बार 12 सीटों पर जीत हासिल की वाली भाजपा कोप्रेस पर हावी है।

भाजपा के सहयोगी पॉर्जिटिव पिछली बार 12 सीटों पर जीत











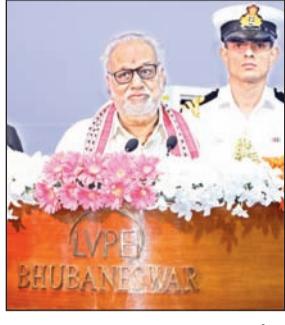


# देश-विदेश / ओडिशा

एलवी प्रसाद ने नेत्र संस्थान में ओडिशा के राज्यपाल प्रो गणेशी लाल ने दिये व्याख्यान

आजाद सिपाही संचादाता

भुवनेश्वर। ओडिशा के राज्यपाल प्रो गणेशी लाल ने दो मार्च को भुवनेश्वर में स्थित एलवी प्रसाद नेत्र संस्थान के मिठू तुलसी चंगाई परिसर में 'कर्म योग - जीवन का सार' पर 13वां बिजयानंद पटनायक व्याख्यान दिये। व्याख्यान 'कर्म योग' और जीवन का आजाडीत अशक्त के दर्शन पर केंद्रित था। 13वें बिजयानंद पटनायक व्याख्यान में एलवीपैडआई नेटवर्क, इसके दानदाताओं और उनके परिवार के सदस्यों के साथ-साथ अन्य सहयोगी संगठनों के लोगों ने भाग लिया। इस अवसर पर मिठू तुलसी चंगाई परिसर के प्रमुख डॉ श्रीकात साहू ने प्रो गणेशी लाल को संस्थान का निमंत्रण स्वीकार करने और कर्म योग की इतनी गहन व्याख्या प्रदान करने के लिए धन्यवाद देता हूँ। उन्होंने प्रो बिजयानंद पटनायक व्याख्यान में लोगों को इसका लाभ मिला है, श्रृंखला के महत्व की भी सराहना की और बताया कि यह कैसे दृष्टिकोणों से कैसे देखा जाये।



विरासत का एक अभिन अंग है।

बिजयानंद पटनायक व्याख्यान एक स्मारक व्याख्यान श्रृंखला है, जो ओडिशा राज्य में गुणवत्तापूर्ण नेत्र देखायाल प्रदान करने के प्रयासों में एलवी प्रसाद नेत्र संस्थान के लाल लोगों ने भाग लिया। इस अवसर पर मिठू तुलसी चंगाई परिसर के प्रमुख डॉ श्रीकात साहू ने प्रो गणेशी लाल को संस्थान का निमंत्रण स्वीकार करने और दर्शन करते विभिन्न विषयों पर अपने नवाजे को साझा करने के लिए एक साथ लाती है। पिछले कुछ वर्षों में बहुत से लोगों को इसका लाभ मिला है, और उन्होंने इस बात की अंतर्राष्ट्रीय प्राप्त की है कि वीजोंको विभिन्न दृष्टिकोणों से कैसे देखा जाये।

पतरात् (आजाद सिपाही)। पतरात् डैम के किनारे बना लेकर रिसॉर्ट शुक्रवार को केंद्र और राज्य सरकार की संयुक्त पहल से विदेशी मेहमानों की मेहमानों की मेहमानों के व्यस्त होती है। जी 20 सम्मेलन में शिरकत करने आये विदेशी वैज्ञानिक मेहमान भी ज्ञारखंड के रमणीय वातावरण के कायल हो गये। मेहमानों का स्वागत ज्ञारखंड के देखभाव की संस्कृति और परंपरा के अनुरूप किया गया। ढोल, नगाड़ की आधा, बांसुरी की धुन पर नुत्य करते हुए विदेशी देखभावों ने स्वागत करते हुए विदेशी मेहमानों की वीआईपी गेट हाउस ले जाया गया।

विदेशी मेहमान पहुँचे शिल्पग्राम : जी 20 की बैठक में शामिल होने वाले विदेशी मेहमानों के स्वागत का तरीका एकदम अनुत्ता और आकर्षक था। विदेशी मेहमानों के लिए शिल्प ग्राम की निर्माण किया गया था। इसमें ज्ञारखंड के कलाकृति से जुड़ी सामग्री के संवर्धन की विभिन्न सामग्री के स्टॉल लगाये गये थे। साथ ही खादी ग्राम उद्योग की प्रदर्शनी लगायी थी।

बांसुरी की खादी धूम से आकर्षित हो रहे थे मेहमान : विदेशी मेहमानों के लिए सबसे ज्ञारखंड के आकर्षित और संगीत और संस्कृति और लोक चावदी विदेशी की प्रदर्शनी भी लगायी गयी थी। विदेशी डेलिगेट्स ने वाद्यविद्यों के प्रति गहरी रुचि दिखायी और उनके विषय में जानकारी प्राप्त की।

इन व्यंजनों का लुप्त उठाया : विदेशी मेहमानों के लिए वीआईपी गेट हाउस में व्यंजनों के रूप में खुखरी मसाला लोकल मशरूम देसी चिकन करी, तावा रोटी और जीवन के रूप में लुप्त उठाया वही इसके अलावा नारियल का पानी विदेशी मेहमानों के लिए उपलब्ध कराया गया था।

आजाद सिपाही संचादाता

भुवनेश्वर। एक प्रतिष्ठित शोधकर्ता ने शुक्रवार को कहा कि कोविड जैसी चुनौतियों का मानवता के सामने बार-बार सामना करने की संभावना है, लेकिन वैज्ञानिकों को इसका सामना करने और इसका योग्यता देखने के लिए तैयार रहना चाहिए। प्रो (डॉ) ई वेंकट राव चिकित्सा विज्ञान के संस्थान और सम अस्पताल में सामुदायिक चिकित्सा के प्रोफेसर ने स्कूल ऑफ फार्मास्यूटिकल

ज्ञानीय (एलवी) और विज्ञानीय (एलवी) विज्ञान के लिए एलवी प्रोफेसर ने इसकी विवरणों को देखा।

ज्ञानीय (एलवी) और विज्ञानीय (एलवी) विज्ञान के लिए एलवी प्रोफेसर ने इसकी विवरणों को देखा।

ज्ञानीय (एलवी) और विज्ञानीय (एलवी) विज्ञान के लिए एलवी प्रोफेसर ने इसकी विवरणों को देखा।

ज्ञानीय (एलवी) और विज्ञानीय (एलवी) विज्ञान के लिए एलवी प्रोफेसर ने इसकी विवरणों को देखा।

ज्ञानीय (एलवी) और विज्ञानीय (एलवी) विज्ञान के लिए एलवी प्रोफेसर ने इसकी विवरणों को देखा।

ज्ञानीय (एलवी) और विज्ञानीय (एलवी) विज्ञान के लिए एलवी प्रोफेसर ने इसकी विवरणों को देखा।

ज्ञानीय (एलवी) और विज्ञानीय (एलवी) विज्ञान के लिए एलवी प्रोफेसर ने इसकी विवरणों को देखा।

ज्ञानीय (एलवी) और विज्ञानीय (एलवी) विज्ञान के लिए एलवी प्रोफेसर ने इसकी विवरणों को देखा।

ज्ञानीय (एलवी) और विज्ञानीय (एलवी) विज्ञान के लिए एलवी प्रोफेसर ने इसकी विवरणों को देखा।

ज्ञानीय (एलवी) और विज्ञानीय (एलवी) विज्ञान के लिए एलवी प्रोफेसर ने इसकी विवरणों को देखा।

ज्ञानीय (एलवी) और विज्ञानीय (एलवी) विज्ञान के लिए एलवी प्रोफेसर ने इसकी विवरणों को देखा।

ज्ञानीय (एलवी) और विज्ञानीय (एलवी) विज्ञान के लिए एलवी प्रोफेसर ने इसकी विवरणों को देखा।

ज्ञानीय (एलवी) और विज्ञानीय (एलवी) विज्ञान के लिए एलवी प्रोफेसर ने इसकी विवरणों को देखा।

ज्ञानीय (एलवी) और विज्ञानीय (एलवी) विज्ञान के लिए एलवी प्रोफेसर ने इसकी विवरणों को देखा।

ज्ञानीय (एलवी) और विज्ञानीय (एलवी) विज्ञान के लिए एलवी प्रोफेसर ने इसकी विवरणों को देखा।

ज्ञानीय (एलवी) और विज्ञानीय (एलवी) विज्ञान के लिए एलवी प्रोफेसर ने इसकी विवरणों को देखा।

ज्ञानीय (एलवी) और विज्ञानीय (एलवी) विज्ञान के लिए एलवी प्रोफेसर ने इसकी विवरणों को देखा।

ज्ञानीय (एलवी) और विज्ञानीय (एलवी) विज्ञान के लिए एलवी प्रोफेसर ने इसकी विवरणों को देखा।

ज्ञानीय (एलवी) और विज्ञानीय (एलवी) विज्ञान के लिए एलवी प्रोफेसर ने इसकी विवरणों को देखा।

ज्ञानीय (एलवी) और विज्ञानीय (एलवी) विज्ञान के लिए एलवी प्रोफेसर ने इसकी विवरणों को देखा।

ज्ञानीय (एलवी) और विज्ञानीय (एलवी) विज्ञान के लिए एलवी प्रोफेसर ने इसकी विवरणों को देखा।

ज्ञानीय (एलवी) और विज्ञानीय (एलवी) विज्ञान के लिए एलवी प्रोफेसर ने इसकी विवरणों को देखा।

ज्ञानीय (एलवी) और विज्ञानीय (एलवी) विज्ञान के लिए एलवी प्रोफेसर ने इसकी विवरणों को देखा।

ज्ञानीय (एलवी) और विज्ञानीय (एलवी) विज्ञान के लिए एलवी प्रोफेसर ने इसकी विवरणों को देखा।

ज्ञानीय (एलवी) और विज्ञानीय (एलवी) विज्ञान के लिए एलवी प्रोफेसर ने इसकी विवरणों को देखा।

ज्ञानीय (एलवी) और विज्ञानीय (एलवी) विज्ञान के लिए एलवी प्रोफेसर ने इसकी विवरणों को देखा।

ज्ञानीय (एलवी) और विज्ञानीय (एलवी) विज्ञान के लिए एलवी प्रोफेसर ने इसकी विवरणों को देखा।

ज्ञानीय (एलवी) और विज्ञानीय (एलवी) विज्ञान के लिए एलवी प्रोफेसर ने इसकी विवरणों को देखा।

ज्ञानीय (एलवी) और विज्ञानीय (एलवी) विज्ञान के लिए एलवी प्रोफेसर ने इसकी विवरणों को देखा।

ज्ञानीय (एलवी) और विज्ञानीय (एलवी) विज्ञान के लिए एलवी प्रोफेसर ने इसकी विवरणों को देखा।

ज्ञानीय (एलवी) और विज्ञानीय (एलवी) विज्ञान के लिए एलवी प्रोफेसर ने इसकी विवरणों को देखा।

ज्ञानीय (एलवी) और विज्ञानीय (एलवी) विज्ञान के लिए एलवी प्रोफेसर ने इसकी विवरणों को देखा।

ज्ञानीय (एलवी) और विज्ञानीय (एलवी) विज्ञान के लिए एलवी प्रोफेसर ने इसकी विवरणों को देखा।

ज्ञानीय (एलवी) और विज्ञानीय (एलवी) विज्ञान के लिए एलवी प्रोफेसर ने इसकी विवरणों को देखा।

ज्ञानीय (एलवी) और विज्ञानीय (एलवी) विज्ञान के लिए एलवी प्रोफेसर ने इसकी विवरणों को देखा।

ज्ञानीय (एलवी) और विज्ञानीय (एलवी) विज्ञान के लिए एलवी प्रोफेसर ने इसकी विवरणों को देखा।

ज्ञानीय (एलवी) और विज्ञानीय (एलवी) विज्ञान के लिए एलवी प्रोफेसर ने इसकी विवरणों को देखा।

ज्ञानीय (एलवी) और विज्ञानीय (एलवी) विज्ञान के